

संपादकीय

कई बुजुर्ग अपने अपमान के विरुद्ध खामोश रहते ही हैं

सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद को %माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों को भरणपोषण तथा अधिनियम, 2007' के कानून की जानकारी रखनी चाहिए। ताकि अपने साथ ही रहे दुर्व्यवहार और अपमान के खलाफ न्याय लेने के लिए कर्ते भी जा सकते हैं। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत ऐसे तमाम प्रवधान हैं जहाँ बुजुर्गों की सुरक्षा बढ़ावाला का खुला रखा गया है।

आधीनियम पर विजय पाने वाला सिंकंडर-ए-आजम जब अपने देश वापिस लौट रहा था तो उसका स्वास्थ्य इतना बिगड़ा की वह मरणासन स्थिति में पहुँच गया। अपनी मृत्यु से पहले सिंकंडर ने अपने सेनापतियों और पश्चात्कारों को बुलाया और कहा की मेरी मृत्यु के पश्चात् मेरी तीन इच्छाएँ पूरी की जाएँ। उन तीन इच्छाओं में एक यही थी। मेरी अर्थां में मेरे दोनों हाथ बाहर की ओर रखे जाएँ। इससे लोग समझ सकें की जब मैं दुनिया से गया तो मेरे दोनों हाथ खाली हों। इसनां आता भी खाली हाथ है और जाता भी खाली हाथ है। परन्तु इस बात को बिना समझे, हम हर पल से अधिक संपत्ति और धन अर्जित करने की दौड़ में लग जाते हैं।

एप दिन हमें वह देखते हैं कि किसी बुजुर्ग को, पैसे और संपत्ति के लालां में उसी की संतान ने घर से बेच कर दिया। ऐसा अक्सर उन परिवर्षितियों में होता है जब बच्चों को सही संस्कार नहीं दिये जाते। ऐसा अक्सर तब भी होता है जब घर के बड़े-बुजुर्ग अपने मोह और खेल के चलते, अपने जीते-जी ही अपनी चाल-अचल संपत्ति के सभी उत्तराधिकार अपने बच्चों को दे देते हैं। जो संतान संस्कारों होती है वे बिना किसी लोग या स्वार्थ के, अंतिम समय तक अपने माता-पिता की सेवा करते हैं। परन्तु ऐसी भी संतान होती है जिन्हें जैसे ही इस बात का पाल चलता है कि माता-पिता ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना दिया है, वैसे ही उनका नाम परिवर्षित करने के साथ शुरू करते हैं।

इस शारदीय नवरात्रि और दुर्गा पूजा का संबंध धार्मिक ग्रंथों में पौराणिक देवताओं की पाराय दुर्गा की पालन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ रूपों की उपस्थिति के लिए विधिरित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्ति यों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। द्यै माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा विधि से नवरात्रि की शुक्रात होती है और इस तारीख शारदीय अपैत से हो रही है। प्रतिपदा से शुक्र होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्रि वर्षाकालीन यों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्रि के पहले रूपरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के द्वाहिने हाथ में श्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलपुत्री हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वर्ष जीव-जुतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बसितों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इतीलाएँ की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।



जयस्तंभ चौक, राजनांदगांव

शहर में विराजित देवी प्रतिमाएं



प्यारेलाल चिखली, राजनांदगांव



राजीव नगर वार्ड नं. 42



डिलापहरी, राजनांदगांव



हमालपारा, राजनांदगांव

शासन ने बढ़ाया राजस्व वसूली का लक्ष्य

रियल इस्टेट कारोबार में अब तेजी

मोहला और खेरागढ़ जिले का जिला पंजीयक कार्यालय अभी भी नांदगांव में

भास्कर दूत

राजनांदगांव। जिला विभाजन के लिए समय बाद भी मोहला-मानपुर-चौकी और खेरागढ़-छुरुखदान-गंडई जिले का जिला पंजीयक कार्यालय राजनांदगांव ही बना हुआ है। यहाँ जिला पंजीयक कार्यालय को शासन ने पिछली बार के 125 करोड़ के लक्ष्य से बढ़कर 170 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली का वार्षिक लक्ष्य दिया है और यह आदेश गत सितंबर में ही आया है। बस्तिं भर और पितृ पथ में जीमी जयदाद की रोजस्ट्री का काम ठंडा पड़ा रहा, जिसके अब शारदीय नववरात्र लाला ही पिर तेजी आ गई है।

जिला पंजीयक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जीमी जयदाद के पंजीयन संभवी हिसाब-किताब पहले की तरह नी उपजीयक कार्यालय राजनांदगांव, खेरागढ़, छुरुखदान, डोंगरांव, डोंगरांव, छुरिया, अंबांगढ़ चौकी, मोहला और गंडई के अनुसार ही हो रहा है। गत



वर्ष अप्रैल से सितंबर तक 12237 दस्तावेज पंजीबद्ध हुए थे, जबकि इस वर्ष 13044 दस्तावेज सितंबर के अंत तक प्राप्त हो चुके हैं। इनमें उप पंजीयक कार्यालय राजनांदगांव में बोते साल की इसी अवधि के मुकाबले इस साल की इसी अवधि में 22 दस्तावेज कम प्राप्त हुए हैं। 5 दस्तावेज मोहला से कम मिले हैं। खेरागढ़ में 53, छुरुया में 432,

685 दस्तावेज पंजीकृत हुए हैं।

सबसे कम राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य मोहला को

जानकारी के मुताबिक शासन के वार्षिक राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य 170 करोड़ रुपए में सबसे ज्यादा 9800 लाख रुपए रिंजटी ऑफिस राजनांदगांव को, जिस 2575 लाख खेरागढ़ को 970 लाख, डोंगरांव को 790 लाख, डोंगरांव को 745 लाख, छुरिया को 700 लाख, छुरुखदान को 600 लाख, अंबांगढ़ चौकी तथा 600 लाख वार्षिक राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य गंडई उपपंजीय कार्यालय के लिए मिला है। इस वर्ष अप्रैल से अभी तक सभी कार्यालय मिलाकर 6225.32 लाख रुपए की आय प्राप्त हो चुकी है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 4988.20 लाख रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई थी। इस वर्ष प्राप्ति लक्ष्य का 36.62 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति हो चुका है।

इंदिरा सरोवर में झूबने से बालक की मौत, दो बच्च निकले

भास्कर दूत

खंडे से टकराकर युवक-युवती की मौत

इंदिरा सरोवर के जीईरोड पर रविवार की रात करीब साढ़े दस बजे हुए हादसे में एक युवक और युवती की मौत की खबर है। जानकारी के अनुसार शहर के नई चौक निवासी कुण्डल जैन पिता कुशलदेव जैन उम्र 23 साल बालों के साथ जीवन से दूर हो गए। रास्ते में भारत डायरेस्टिक सेंटर के सामने मोटर सायकिल अनियन्त्रित होकर पोल से टकरा गई, जिससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए तत्काल मोड़ेल लोकेज पेंड्री पहुंचा गया, किन्तु दोनों के लिए पर गरीबी माल लाने से अत्यधिक रक्तकांश के कारण दोनों की मौत हो गई। पुलिस द्वारा अस्पताली पर्ची पर पर्मा क्रमांक 59, 2024 का यायम कर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर दोनों के लिए परिजनों के सुरुपूर्ण कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार नई चौक के लिए बच्चों को उनके परिजनों के सुरुपूर्ण कर दिया गया। जीवन से दूर हो गए। वहाँ गौरवूद और अस्पताल के घरों के लिए लोगों ने उन्हें झूबने देखा तो सहायता के लिए दौड़े।

लोगों दो बच्चों को बचाने में सफल हो गए, लोकन तीसरे बच्चे को नहीं बचा पाए। नई दृष्टि के भाजा पार्श्व जिले विजय लोगों ने धनराज के पिता को होटल में जाकर तथा मोहला के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

होटल में मजदूरी का काम करते हैं। उनके बाद राजनीति लोगों की जान बच गई, उन्हीं को धनराज के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के लिए भक्तपुराया लोगों की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों की जान बच गई, उन्हीं को धनराज के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त तालाब के लोगों को अपने साथी धनराज के उक्त तालाब में जाना दिया गया। उसके पिता भानु गैंडे

में झूब जाने की जानकारी दी। उनके बाद धनराज के पिता सहित नई चौक के लिए भक्तपुराया लोगों ने धनराज के उक्त तालाब की ओर दौड़े। पुलिस ने घटना शब्द को निकलवाकर उक्त त

